अत्यंत गोपनीय केवल आंतरिक एवं सीमित प्रयोग हेतु

अंक-योजना (2025-26)

विषय हिंदी (ऐच्छिक)

कक्षा - बारहवीं

विषय कोड संख्या -523

सामान्य निर्देश :-

1. परीक्षार्थियों के सही और उचित आकलन के लिए उत्तर पुस्तिकाओं का मूल्यांकन एक महत्वपूर्ण प्रक्रिया है। मूल्यांकन में एक छोटी-सी त्रुटि भी गंभीर समस्या को जन्म दे सकती है, जो परीक्षार्थियों के भविष्य, शिक्षा प्रणाली और अध्यापन-व्यवस्था को भी प्रभावित कर सकती है। इससे बचने के लिए अनुरोध किया जाता है कि मूल्यांकन प्रारंभ करने से पूर्व ही आप मूल्यांकन निर्देशों को पढ़ और समझ लें।
2. योग्यता आधारित प्रश्नों का मूल्यांकन करते समय कृपया दिए गए उतरों को समझे, भले ही उत्तर मार्किंग स्कीम में न हो, छात्रों को उनकी योग्यता के आधार पर अंक दिए जाने चाहिए।
3. अंक योजना में उत्तरों के लिए केवल सुझाए गए मान बिंदु होते हैं। ये केवल दिशा-निर्देशों की प्रकृति के हैं और पूर्ण नहीं हैं। यदि परीक्षार्थियों की अभिव्यक्ति सही है तो उसके अनुसार नियत अंक दिए जाने चाहिए।
4. परीक्षक सही उत्तर पर सही का चिह्न (√) लगाएँ और गलत उत्तर पर गलत का (×) मूल्यांकनकर्ता द्वारा ये चिह्न न लगाने से ऐसा समझ में आता है कि उत्तर सही है, परंतु उस पर अंक नहीं दिए गए।
5. यदि किसी प्रश्न के उपभाग हो तो कृपया प्रश्नों के उपभागों के उत्तरों पर दायी ओर अंक दिए जाएँ। बाद में इन उपभागों के अंकों का योग बायाँ और के हाशिये में लिखकर उसे गोलाकृत कर दिया जाए।
6. यदि किसी प्रश्न के कोई उपभाग न हो तो बायीं ओर के हाशिये में अंक दिए जाएँ और उन्हें गोलाकृत किया जाए।
7. यदि परीक्षार्थी ने किसी प्रश्न का उत्तर दो स्थानों पर लिख दिया है और किसी को काटा नहीं है तो जिस उत्तर पर अधिक अंक प्राप्त हो रहे हो, उस पर अंक दें और दूसरे को काट दें। यदि परीक्षार्थी ने अतिरिक्त प्रश्न/प्रश्नों का उत्तर दे दिया है तो जिन उत्तरों पर अधिक अंक प्राप्त हो रहे हो, उन्हें ही स्वीकार करे, उन्हीं पर अंक है।
8. एक ही प्रकार की अशुद्धि बार-बार हो तो उसे अनदेखा करें और उस पर हर बार अंक न काटे जाएँ।
9. यहाँ यह ध्यान रखना होगा कि मूल्यांकन में पूर्ण अंक पैमाना 0-80 (उदाहरण 0-80 अंक जैसा कि प्रश्न में दिया गया है) का प्रयोग अभीष्ट है, अर्थात परीक्षार्थी ने यदि सभी अपेक्षित उत्तर-बिंदुओं का उल्लेख किया है तो उसे पूरे अंक देने में संकोच न करें।
10. ये सुनिश्चित करें कि उत्तर पुस्तिका के अंदर दिए गए अंकों का आवरण के अंकों के साथ मिलान हो।

11.आवरण पृष्ठ पर दो स्तंभों के अंकों का योग जाँच लें ।

12.उत्तर पुस्तिकाओं का मूल्यांकन करते हुए यदि कोई उत्तर पूर्ण रूप से गलत हो तो उस पर (x) निशान लगाएँ और शून्य (0) अंक दें।

13.उत्तर पुस्तिका में किसी प्रश्न का बिना जाँचे हुए छूट जाना या योग में किसी भूल का पता लगना, मूल्यांकन समिति के सभी लोगों की छवि को और बोर्ड की प्रतिष्ठा को धूमिल करता है। परीक्षक सुनिश्चित करें कि सभी उत्तरों का मूल्यांकन हुआ है। आवरण पृष्ठ पर तथा योग में कोई अशुद्धि नहीं रह गई है तथा कुल योग को शब्दों और अंकों में लिखा गया है।

उपर्युक्त मूल्यांकन निर्देश उत्तर-पुस्तिकाओं की जाँच हेतु आदेश नहीं अपितु केवल निर्देश हैं। यदि इन मूल्यांकन निर्देशों में किसी प्रकार की त्रुटि हो, किसी प्रश्न का उत्तर स्पष्ट न हो, अंक योजना में दिए गए उत्तर से अतिरिक्त कोई और भी उत्तर सही हो, तो परीक्षक अपने विवेकानुसार उस प्रश्न का मूल्यांकन करे।

अंक-योजना

विषय हिंदी (ऐच्छिक)

विषय कोड संख्या -523

कक्षा : बारहवीं　　　　　　　　　　　　　　　　　　अधिकतम अंक 80

सामान्य निर्देश :-

1. अंक योजना का उद्देश्य मूल्यांकनको अधिकाधिक वस्तुनिष्ठ बनाना है।
2. वर्णनात्मक प्रश्नों के अंक योजना में दिए गए उत्तर बिंदु अंतिम नहीं है बल्कि ये सुझावात्मक एवम् सांकेतिक हैं।
3. यदि परीक्षार्थी इन सांकेतिक बिंदुओं से भिन्न , किन्तु उपयुक्त उत्तर है, तो उन्हें अंक दिए जाएँ।
4. मूल्यांकन कार्य निजी व्याख्या के अनुसार नहीं बल्कि अंक योजना में दिए गए निर्देशानुसार ही किया जाए।

प्रश्न संख्या	प्रश्न उपभाग	उत्तर संकेत/ मुख्य बिंदु	निर्धारित अंक विभाजन
1			1x5=5
	1 2 3 4 5	(अ) गरीब अमीर भेदभाव से मुक्त (अ) जाति प्रथा (स) सामाजिक समानता का (अ) ई (ब) समानता के विविध रूप	1 1 1 1 1
2			1x5=5

	1 2 3 4 5	(स) पुरानी यादों पर (स) समय की परिवर्तनशीलता (द) बीता दिन पुराना हो जाता है (स) क्या यह वही मकान है? (स) प्रश्नवाचक	1 1 1 1 1
3			1x 5=5
	1 2 3 4 5	(क) रामचंद्र शुक्ल (ग)अपने साथी के साथ (ख) नारी मन के दुःख और करुणा की (क) पतनशील सामंती व्यवस्था (ग) विस्थापन की समस्या	1 1 1 1 1
4			1x5=5
	1 2 3 4 5	(ख) प्रधानाचार्य के पुत्र के लिए (ग) पढ़ाई का पुतला कौन सी पुस्तक मांग बैठे (ख) आंखों में (ग) बालक के लड्डू मांगने पर (घ) बालक का बचपन बच गया	1 1 1 1 1
5		**प्रश्नों के उत्तर**	2+2+3+3
	क ख	**आँखे बंद रखने से लोगो ने लंबे समय तक अपना शोषण करवाया था उन्होंने आँखे बंद करके राजा को उनका शोषण करने की पूरी आजादी दे दी है उत्पादन श्रमता का विकास हुआ था एकाग्रता अवश्य बड़ी पर वह मात्र भ्रम है आँखे खोलकर देखने से उन्हें समझ में आया था वह अभी तक क्या कर रहे है ।** **लेखक के पिता की बदली मिर्जापुर के बाहर नगर में हुई है वहा रहते हुए उन्हें एक दिन ज्ञात हुआ था कि भारतेन्दु हरिश्चंद के सखा जिनका नाम उपाध्याय बदरीनारायण चोधरी थी जो प्रेमघन उपनाम से लिखते थे वे यहाँ रहते थे लेखक उन्हें मिलने को आतुर हो उठा और अपने मित्रो की मंडली के साथ योजना अनुसार एक डेढ़ मिल चलकर उनके घर के निचे खड़े हुए ।** **. पाश्चात्य विचारकों के इस मत पर टिप्पणी करते हुए लेखक कहता है कि स्वार्थ से भी बढ़कर जिजीविषा से भी भयंकर कोई न कोई शक्ति अवश्य है। उदाहरण के लिए भारत माता को**	2 2

		स्वतंत्र कराते समय फांसी के फंदे पर झूलने वाले शहीदों का तो काई व्यक्तिगत स्वार्थ पूरा नहीं हो रहा था और जीवन तो वे अपनी इच्छा से समाप्त कर रहे थे। गुरू गोविंद सिंह के दो बालक जब दीवार में चिनवाए जा रहे थे, तब वे बालक अपने निजी स्वार्थ और जिजीविषा से बहुत ऊपर उठ चुके थें ।	
	(ग)	**बड़ी हवेली से जब हरगोबिन को बुलावा आया, तो उसके मन में आशंका हुई कि अवश्य कोई गुप्त संदेश ले जाना है। इस संदेश की खबर चाँद-सूरज, पेड़ो तथा पक्षियों को भी नहीं लगनी चाहिए।**	3
	घ		3

6			1×5=5
	1 2 3 4 5	ग) भारतीय संस्कृति सौंदर्य का ग) व्यक्ति से ग) फूलों की महक फैलती है और सब खुशी खुशी बैठ जाते हैं। ख) रूपक क) माता कौशल्या के लिए	1 1 1 1 1
7		सप्रसंग व्याख्या	5×1=5
		प्रसंग व्याख्या काव्य -सौन्दर्य	1 3 1
8			2+2+3+3
	क	कोयल और भोरो के कलरव का नायिका पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ता था कोयल का मधूर स्वर और भोरो का गुंजन नायिका को अपने प्रेमी की याद दिला देती थी वह अपने कानो को बंद कर इनके कलरव सुनने से बचना चाहती थी परन्तु ये आवाजे उसे फिर भी सता रही थी।	2
	(ख)	कवि को बसंत आने की सूचना प्रकृति में आए परिवर्तनों को देखकर मिली जैसे- चिड़ियों की कुक, गुनगुनी ताज़ी हवा तथा पेड़ों से झड़ते पीले पत्ते। कवि ने अपनी इस सूचना को स्पष्टीकरण देने के लिए घर पहुँचकर कैलेंडर में देखकर जानकारी की पुष्टि की। आशा में मनुष्य बावला हो जाता है और आशा से मनुष्य को शक्ति मिलती है। प्रेम में तो आशा बहुत ही बावली होती है। वह जिसे प्रेम करता है उसके प्रति हजारों सपने बुनता है फिर उस का प्रेमी उस से प्यार करें या ना करें तो वह आशा के सहारे सपनों में तैरता रहता है।	2
	(ग)	कवि बनारस की पूर्णता को उसके उल्लास भरे दिन से दर्शाता था उसके अनुसार यह शहर हर तरह से प्रसन्न रहता था यहाँ का हर दिन तकलीफों तथा कठिनाइयो के बाद भी उल्लास और आनद से भरपूर होता था बनारस की रिक्तता को वह मृत शरीरो के माध्यम से दर्शाता था।	3

	(घ)		3

9		**अंतराल भाग -2 के आधार पर प्रश्नों के उत्तर**	2+2+3
	क	भैरों ने सूरदास की झोपड़ी इसलिए जलाई क्योंकि वह सुभागी और सूरदास के संबंध से क्रोधित था. भैरों को लगा कि सूरदास और सुभागी के बीच संबंध स्थापित हो गया है, इसलिए उसने अपनी बदनामी का बदला लेने के लिए झोपड़ी जला दी. इसके अलावा, भैरों ने सूरदास के रुपयों को चुराने की भी योजना बनाई थी और झोपड़ी जलाने के बाद रुपए भी गायब हो गए. लोगों का मानना है कि फूल अपने रंग तथा गंध के कारण पहचाने जाते हैं। लेखक इस बात को नकारता है। वह गंध की महत्व को स्वीकार करता है लेकिन वह यह भी कहता है कि	2

	ख	फूल केवल गंध नहीं देते, वह दवा भी करते हैं। वह भरभंडा नामक फूल का वर्णन करता है। इस फूल से निकलने वाला दूध आँखे आने पर दवा का काम करता है। इसे आँख में निचोड़ देने से आँख की बीमारी सही हो जाती है। नीम के फूल चेचक के मरीज को ठीक कर सकते हैं। बेर के फूलों को सूँघने मात्र से ही बरें-ततैये का डंक अपने आप झड़ जाता है।	2
	(ग)	आज पूरे संसार में ग्लोबल वार्मिंग का खतरा मंडरा रहा है। पूरे विश्व के वैज्ञानिक इस स्थिति से परेशान है। इसके कारण धरती का वातावरण तेज़ी से गरम हो रहा है। हम मनुष्य ने अपनी सुविधाओं के नाम पर जो भी कुछ किया है, वह हमारे लिए खतरनाक सिद्ध हो रहा है। वाहनों, हवाई जहाजों, बिजली बनाने वाले संयंत्रों (प्लांटस), उद्योगों इत्यादि से अंधाधुंध होने वाले गैसीय उत्सर्जन की वजह से कार्बन डायऑक्साइड में वृद्धि हो रही है। इन गतिविधियों से कार्बन डायऑक्साइड, मिथेन, नाइट्रोजन ऑक्साइड इत्यादि ग्रीनहाउस गैसों की मात्रा में बढ़ रही हैं, जिससे इन गैसों का आवरण घना होता जा रहा है। यही आवरण सूर्य की परावर्तित किरणों को रोक रहा है, जिससे धरती के तापमान किरणों को रोक रहा है, जिससे धरती के तापमान में बढ़ोतरी हो रही है। ग्लेशियरों की बर्फ बढ़ रहे तापमान से तेज़ी से पिघल रही है। जिससे आने वाले समय में जल संकट खड़ा हो सकता है। जंगलों का बड़ी संख्या में हो रहा कटाव भी इसकी दूसरी सबसे बड़ी वजह है। जंगल कार्बन डायऑक्साइड की मात्रा को प्राकृतिक रूप से नियंत्रित करते हैं, लेकिन इनकी अंधाधुंध कटाई से यह प्राकृतिक नियंत्रक भी नष्ट हो रहे हैं। यदि जल्दी नहीं की गई तो हमारे जीवन पर भी सवालिया निशान उठ खड़ा होगा। इन गैसों के उत्सर्जन में अमेरिका तथा यूरोपीय देशों की भूमिका मुख्य है। वहाँ से सबसे अधिक इन गैसों का उत्सर्जन हो रहा है। वे इस बात स्वीकार नहीं करते हैं।	3
10	क		1×5=5
		1. "फ़ोन इन" का अर्थ है एक प्रसारण कार्यक्रम में, जिसमें श्रोता या दर्शक टेलीफ़ोन के माध्यम से कार्यक्रम में अपनी राय या विचार व्यक्त कर सकते हैं। इसे "कॉल-इन" भी कहा जाता है, और आमतौर पर यह किसी विशिष्ट विषय पर चर्चा के लिए किया जाता है.	1

2. स्टिंग ऑपरेशन एक प्रकार की जांच या ऑपरेशन है जिसे धोखे से किसी व्यक्ति को या किसी संगठन को गलत काम करते हुए पकड़ने के लिए किया जाता है। यह आमतौर पर पुलिस या मीडिया द्वारा किया जाता है और इसमें व्यक्ति या संगठन को किसी अवैध गतिविधि या अपराध करने के लिए लालच दिया जाता है, ताकि उन्हें रंगे हाथों पकड़ा जा सके।
3. भाषा को प्रभावी बनाने के लिए, एक पत्रकार को कुछ बातों का ध्यान रखना चाहिए, जैसे सरल और स्पष्ट भाषा का प्रयोग, अनावश्यक जटिल शब्दों से बचना, और पाठकों के लिए सुलभ भाषा में लिखना. उन्हें गैर-जरूरी विशेषण, जार्गन्स और क्लीशे से भी बचना चाहिए.
4. साइबर पत्रकारिता एक ऐसा क्षेत्र है जो पारंपरिक पत्रकारिता से अलग है, जहां खबरों और जानकारी को इलेक्ट्रॉनिक माध्यमों, जैसे कि इंटरनेट, वेबसाइट, सोशल मीडिया आदि के माध्यम से जनता तक पहुंचाया जाता है। इसे ऑनलाइन पत्रकारिता, डिजिटल पत्रकारिता या वेब पत्रकारिता के नाम से भी जाना जाता है।
5. भारत में पहला छापाखाना 1556 में पुर्तगालियों द्वारा गोवा में स्थापित किया गया था. यह छापाखाना धार्मिक पुस्तकों की छपाई के लिए उपयोग किया गया था.

ख) 1. इंटरनेट पत्रकारिता सूचनाओं को तत्काल उपलब्ध करवाकर एक क्रांति लाई है, लेकिन इसके कुछ दुष्परिणाम भी हैं। इंटरनेट पर सूचनाओं की उपलब्धता और गति पारंपरिक मीडिया के मुकाबले बहुत अधिक है, लेकिन इस तकनीक के इस्तेमाल से अनैतिकता, झूठी खबरों की फैलने और व्यक्तिगत जानकारी की सुरक्षा खतरे में पड़ जाती है।

तत्काल उपलब्धता के फायदे:

त्वरित सूचना प्रसार:

इंटरनेट पत्रकारिता के माध्यम से कोई भी खबर या जानकारी तुरंत दुनिया के किसी भी कोने तक पहुंचाई जा सकती है, जिससे लोग नवीनतम घटनाओं से अवगत हो सकते हैं।

		इंटरैक्टिव और बहुमुखी: यह पत्रकारिता पाठकों को लेखों पर कमेंट करने, अपनी राय व्यक्त करने और अन्य लोगों से बातचीत करने का अवसर देती है। विभिन्न प्रकार के माध्यमों का उपयोग: इंटरनेट पत्रकारिता में टेक्स्ट, वीडियो, ऑडियो, इमेज और अन्य मल्टीमीडिया तत्वों का उपयोग किया जा सकता है, जिससे पाठकों को सूचनाएं अधिक आकर्षक और उपयोगी लगती हैं। दुष्परिणाम: गलत या झूठी खबरों का प्रसार: इंटरनेट पर सूचनाएं तुरंत उपलब्ध होने के कारण झूठी या गलत खबरें भी तेजी से फैल सकती हैं, जिससे लोगों की गलत धारणा बन सकती है। उदाहरण के लिए, सोशल मीडिया पर कुछ लोग गलत जानकारी फैलाकर लोगों को भड़काते हैं, जिससे समाज में तनाव बढ़ सकता है। व्यक्तिगत जानकारी की सुरक्षा: इंटरनेट पर जानकारी साझा करने के कारण व्यक्तिगत जानकारी की सुरक्षा का खतरा बढ़ जाता है। हैकर और साइबर अपराधी आसानी से लोगों की व्यक्तिगत जानकारी प्राप्त कर सकते हैं और उनका दुरुपयोग कर सकते हैं। ख) 2.फीचर एक ऐसा लेख है जो किसी व्यक्ति, स्थान, घटना या विचार पर गहन, व्याख्यात्मक और आकर्षक वर्णन प्रदान करता है, यह समाचार लेखन से अलग होता है. फीचर की विशेषता यह है कि यह तथ्यों के साथ-साथ लेखक के दृष्टिकोण और भावनाओं को भी शामिल करता है. गहनता, मनोरंजनात्मक, आत्मकथात्मक शैली	3+2
11			5
		रेडियो नाटक एक ऐसी नाटकीय प्रस्तुति है जो केवल श्रवण पर आधारित होती है, जिसमें दृश्य तत्व नहीं होते हैं. यह संवाद, ध्वनि प्रभाव और संगीत के माध्यम से कहानी सुनाया जाता है. रेडियो नाटक की भाषा शैली स्वाभाविक, सरल, और सहज होनी चाहिए, ताकि श्रोता आसानी से समझ सके. लिखते समय, लेखक को भाषा का चयन, संवादों का निर्माण, और ध्वनि प्रभावों का उपयोग जैसे कारकों पर ध्यान देना चाहिए. रेडियो नाटक की भाषा शैली: स्वाभाविक और सरल: भाषा का उपयोग सहज और स्वाभाविक होना चाहिए, जैसे कि लोग आम बोलचाल में बात करते हैं. संक्षिप्त और स्पष्ट: संवाद संक्षिप्त और स्पष्ट होने चाहिए, ताकि श्रोता तुरंत समझ सके.	

		अथवा विशेष लेखन, जिसे विशेष रिपोर्टिंग भी कहते हैं, किसी खास विषय पर सामान्य लेखन से हटकर किया गया लेखन है। यह किसी विषय, घटना, या व्यक्ति के बारे में गहराई से जानकारी देता है और पाठकों को उस विषय के बारे में विस्तृत जानकारी और विश्लेषण प्रदान करता है। समाचार पत्रों में विशेष लेखन की भूमिका महत्वपूर्ण होती है क्योंकि यह पाठकों को सामान्य समाचारों से परे, विशेष मुद्दों और घटनाओं पर गहरा विचार करने में मदद करता है। विशेष लेखन की भूमिका: जानकारी प्रदान करना: विशेष लेखन पाठकों को किसी खास विषय के बारे में विस्तृत जानकारी प्रदान करता है। विश्लेषण और व्याख्या: यह सामान्य समाचारों की तुलना में अधिक गहराई से विश्लेषण और व्याख्या करता है। नया दृष्टिकोण: विशेष लेखन पाठकों को किसी विषय के बारे में नया दृष्टिकोण प्रदान कर सकता है।	
12	क ख ग	1965 के भारत-पाकिस्तान युद्ध में पाकिस्तान ने अपने पैटन टैंक अमेरिका से प्राप्त किए थे. ये टैंक उस समय के सबसे आधुनिक और शक्तिशाली माने जाते थे. हेमू ने आदिल शाह के राज्य की सुरक्षा कई विद्रोहियों से की, जिनमें अफगान विद्रोहियों, हुमायूं और अकबर की मुगल सेनाएं शामिल थीं. हेमू ने उत्तर भारत में, पंजाब से बंगाल तक, अफगान विद्रोहियों और मुगल सेनाओं से आदिल शाह के लिए कई युद्ध लड़े, जिनमें से 22 युद्ध आदिल शाह सूरी के लिए जीते. लंदन के इंडिया हाउस में मदन लाल ढींगरा की मुलाकात विनायक दामोदर सावरकर और श्यामजी कृष्ण वर्मा से हुई थी. इंडिया हाउस उस समय भारतीय छात्रों के राजनीतिक गतिविधियों का केंद्र था, और ढींगरा अक्सर वहां जाते थे और बैठकों में भाग लेते थे.	2×4=8

	घ	गीता के अनुसार, जगत की उत्पत्ति प्रकृति और पुरुष (ईश्वर) के संयोग से होती है। प्रकृति में तीन गुण (सत्व, रज, और तम) होते हैं, जो मिलकर सृष्टि के निर्माण में योगदान देते हैं.	